R.N.I No. : 59665/92 डाक पंजीयन संख्याः SSP/LW/NP/115/2021-2023

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी

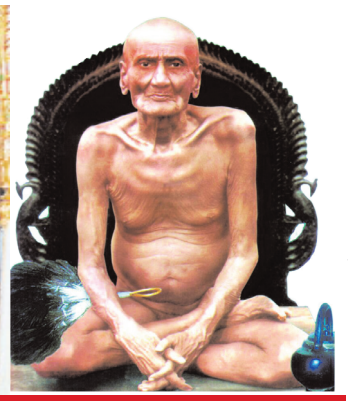

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

वर्ष 30 अंक 22 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 18 अप्रैल 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazatte2@gmail.com

भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक विशेषांकः 2

आमेर के नेमीनाथ सांवला जी मंदिर में तलघर से निकालीं गईं प्राचीन एवं दुर्लभ प्रतिमाएं एवं यंत्र

जयपुर। गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के सान्निध्य में गुरूवर 07 अप्रैल को जयपुर के पास आमेर के नेमिनाथ सांवला जी दिगम्बर जैन मंदिर में तलघर स्थित प्राचीन एवं दुर्लभ प्रतिमाओं एवं यंत्रों को सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में जयकारों के बीच दर्शनार्थ बाहर निकाला गया।

पहली बार किसी आर्यिका माताजी के सान्निध्य में तलघर से निकाली गई दुर्लभ एवं प्राचीन प्रतिमाओं की इस मौके पर अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। प्रातः 7.15 बजे मूलनायक भगवान श्री नेमिनाथ की पाषाण की पद्मासन संवत 1120 की प्रतिमा के नित्यमह अभिषेक, शांतिधारा के बाद जयकारों के बीच तलघर स्थित प्राचीन प्रतिमाऐं एवं यंत्र दर्शनार्थ बाहर निकाले गए। सर्वप्रथम बाहर निकाली गई भगवान पार्श्वनाथ की मनोरम अष्ट धातु की प्रतिमा के मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किये गये तथा विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में माताजी ने मंगल प्रवचन देते हुए धर्म की रक्षा एवं प्राचीन धरोहर की सुरक्षा हेतु जयपुर वासियों को नियमित रूप से मंदिर के दर्शनार्थ आने का संकल्प दिलाया। उन्होंने मुक्त कंठ से आमेर के पुरातत्व एवं प्राचीन धरोहरों के लिए उस समय के राजा-महाराजाओं, विद्वानों, राज दरबार में सेवा देने वाले जैन बन्धुओं एवं अन्य बुजुर्गो की प्रशंसा की। आज की पीढ़ी से इस प्राचीन धरोहर व सम्पदा की रक्षा व सुरक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया, मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने मंदिर निर्माण एवं प्राचीन प्रतिमाओं व यत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर का निर्माण संवत 1600 के लगभग करवाया हुआ है। इसका कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं है। तलघर में 258 प्रतिमाऐं तथा कई महत्वपूर्ण यंत्र हैं जो सम्वत 1120 से 1869 के मध्य के है। इससे पूर्व सन् 2019में मुनिश्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में तलघर से प्रतिमाऐं निकाली गई थीं।

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

॥ श्री महावीराय नमः॥

शुद्ध स्वादिष्ट जैन भोजन सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ

जैन तीर्थ यात्राऐं एवं पर्यटक स्थालो की सैर

मुख्य आकर्षण वायुदूत की सुप्रसिद्ध किचन वाली जैन भोजन सुविधा लग्ज़री आवास, आरामदायक यातायात, कुशल संचालन

4614,-16, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi-110006

(M). 9313338256, 9810408256, 9818312056

E-Mail:vayudoottravels@gmail.com

लाः नेमचंद्र जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

वायुदूत वर्ल्ड ट्रैवल्स (ई.) प्रा. लि.

पूर्ण अति प्राचीन मनोरथ 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

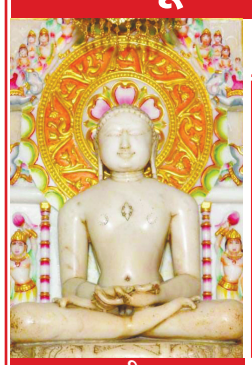

866 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का LIVE प्रसारण

LIVE

शांतिधारा : 7:15 - 8:00 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

JK

MASALE

SINCE1957

join us jk masale

Shudh khao Swasth Raho

~ सादर आमंत्रण ~

स्व: निर्मल कुमार जैन (सेठी)

(8 जुलाई , 1938 - 27 अप्रैल , 2021)

विनयांजलि सभा

27 अप्रैल, 2022

बुधवार, अपराह्न : 02:00 बजे

डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली

सेठी ट्रस्ट

विनयवंत

वर्तमान शासन नायक
भगवान महावीर स्वामी

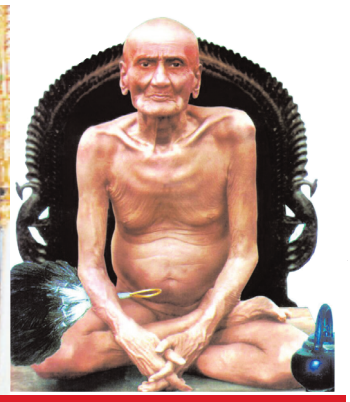

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य
श्री शांति सागर जी महाराज

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

वर्ष 30 अंक 22 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 18 अप्रैल 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazatte2@gmail.com

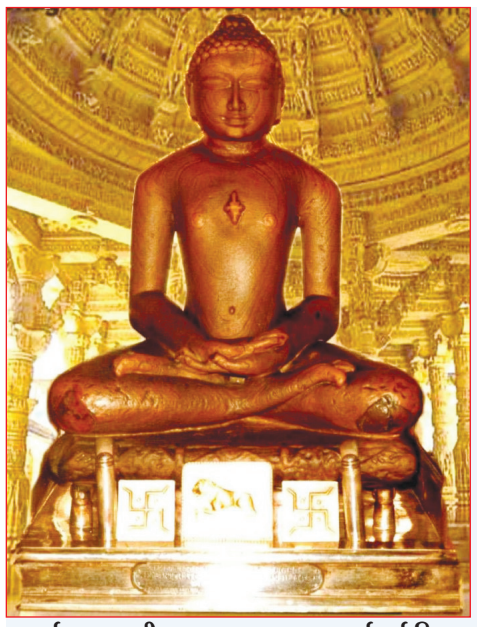

वर्द्धमान महावीर के 2621वें जन्म-कल्याणक के अवसर पर

भगवान महावीर के सन्देशों की प्रासंगिकता एवं नितान्त आवश्यकता

वर्द्धमान महावीर का लगभग 2600 वर्ष पूर्व दिया गया सन्देश आज भी उतना ही प्रासंगिक ही नहीं है, वरन वर्तमान समय में अपरिहार्य है। उनकी दिव्यदृष्टि ने इस पृथ्वी ग्रह के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए समाधानों को परखा, खोजा और प्राणी मात्र को 'अहिंसा, 'सत्य, 'अचौर्य, 'ब्रह्मचर्य' एवं 'अपरिग्रह' का सन्देश दिया। अगर विश्व उनके सुझाये सिद्धान्तों पर चलता तो आज जो स्थिति हम देख रहे हैं, वह नहीं होती। उनकी अहिंसा सूक्ष्मतम थी, केवल शारीरिक हिंसा का वर्जन ही नहीं वरन मन, वचन, काय से हिंसा का त्याग था। उनका हिंसा न करने का सन्देश न केवल प्राणी मात्र वरन पृथ्वी पर मौजूद सूक्ष्म से सूक्ष्म जीवों, वनस्पतियों, प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों, जिनमें किसी भी रूप में जीवन है, के लिए था। उनका सन्देश था कि जैसे हम स्वयं जीना चाहते हैं, वैसे ही हर जीव जीना चाहता है। जब जीवन दे नहीं सकते तो उसे लेने का किसी को अधिकार नहीं है। सबको जीने का बराबर का अधिकार है।

गजराज गंगवाल

उनकी सत्य की परिभाषा भी बहुत व्यापक थी, अनेकान्त के सिद्धान्त से परखने की थी। सत्य मात्र वह नहीं है जो प्राणी मात्र, समूह या देष अपने दृष्टिकोण या हित से देखता है। सत्य बहुआयामी है। उसके विभिन्न रूप होते हैं। हर कोई अपने दृष्टिकोण से देखता है और उसे ही ठीक समझता है। हर देखने वाले का नजरिया अलग होता है जो वह देख रहा है, वह भी सही है, जो आप देख रहे हैं, वह आपके नजरिये से सही है।

देखने-देखने और समझने की, स्वीकार करने की बात है अगर यह दृष्टिकोण रखा जाये, तो सहिष्णुता उपजेगी, सद्भावना होगी और अगर सद्भावना होगी, तो सह-अस्तित्व भी होगा। अचौर्य से उनका सन्देश था कि चोरी मत करो, किसी का हक़ मत हड़पो, किसी की सम्पत्ति पर बुरी नज़र मत रखो। अगर इसका पालन करेंगे तो किसी से कोई टकराव नहीं होगा। हर किसी को अपनी सम्पत्ति से लगाव होता है, उससे वंचित करना किसी का अधिकार नहीं है। अपने संसाधनों में जीना ही उत्तम मार्ग है। ब्रह्मचर्य जैसा सीमित दृष्टिकोण से समझा जाता है, वह नहीं है। बल्कि संयम से जीवन जीने की कला है। हर चीज की मर्यादा है, सीमा है, अगर इसे अपनायेंगे तो स्वयं भी संयम से जीयेंगे और दूसरों को भी संयम से जीने देंगे। संयम लक्ष्मण रेखा है, अगर उसे पार नहीं करेंगे तो किसी के जीवन में व्यवधान नहीं आयेगा।

अपरिग्रह उनका बहुत दूरगामी सन्देश था। स्वयं को जितनी आवश्यकता है, उतना संग्रह करो। अगर यह जीवन में अपनाया जायेगा तो किसी सामग्री की न तो कमी पड़ेगी न कोई वंचित रहेगा। पृथ्वी पर किसी संसाधन की कमी नहीं पड़ेगी। आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण को बचाये रखने पर उच्चतम स्तर पर विचार होता है, उसे बनाये रखने के लिए मापदण्ड बनाये जाते हैं, विभिन्न देषों को उत्तरदायित्व दिया जाता है। 'सेव द प्लेनेट' वर्तमान युग का सबसे बड़ा लक्ष्य है। अगर वर्द्धमान महावीर के सिद्धान्तों का इस धरती पर पालन किया जाता तो न तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ होती, प्रकृति के लिए आवष्यक जीवों का अस्तित्व बना रहता, न वनस्पतियों, जल स्त्रोतों और जलवायु का ह्रस होता। अगर अपरिग्रह अपनाया जाता तो प्रकृति के ऊर्जा स्त्रोतों पर आवश्यकता से अधिक दबाव नहीं पड़ता और न ही ओजोन परत का स्वरूप बिगड़ता। सीधे शब्दों में अगर उनके सिद्धान्तों को अपनाया जाता, अनेकान्त के सिद्धान्तों से सत्य या वस्तुस्थिति को देखा जाता, अपना दृष्टिकोण ही सही होने का आग्रह या दुराग्रह न अपनाया जाता तो आज विश्व महायुद्ध से ग्रस्त नहीं होता। उदाहरणार्थ अगर यूक्रेन रूस के सत्य के दृष्टिकोण को समझता कि कोई भी देश अपनी सीमाओं पर दूसरे देशों के सैन्य संगठन 'नाटो' की सैन्य गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा समझता है, दूसरी तरफ रूस यूक्रेन की अपने देश की सम्प्रभुता बनाये रखने के संकल्प को समझता और उसे इसका समाधान देता तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। दोनों अपने दृष्टिकोण से ठीक हैं, केवल एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने, आदर देने, एक-दूसरे को आश्वस्त करने से सहिष्णुता होती, सद्भावना होती और सह-अस्तित्व बना रहता।

यही महावीर का सन्देश था और बिना इसे अपनाये कोई दूसरा मार्ग नहीं है। उभरती हुई परमाणु युद्ध की आशंका का समाधान उनके दिव्य सन्देशों को अपनाने से ही होगा वरन विश्व और सभ्यता के अस्तित्व पर खतरा मण्डराता रहेगा।

ऐसी दिव्य दृष्टि, दिव्य सन्देश के प्रतिपादक वर्द्धमान महावीर का उनके जन्म कल्याणक पर कोटिशः वन्दन।

आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का जनकपुरी ज्योतिनगर में हुआ मंगल प्रवेश

हर व्यक्ति ऊर्जा का केन्द्र है : आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी

जैन गज़ट /संवाददाता

जयपुर, (निसं.)। जनकपुरी ज्योतिनगर में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का गाजे-बाजे एवं जुलूस के साथ मंगल भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जनकपुरी मन्दिर पहुंचने पर द्वार पर सामूहिक रूप से मंगल कलशों के साथ महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए आरती कर मंदिर जी में प्रवेश कराया तत्पश्चात कार्यक्रम में भगवान मुनिसुव्रतनाथ भगवान के चित्र का अनावरण किया।

रमेश जी साखुणिया परिवार ने दीप प्रज्जवलन किया राजेश गंगवाल परिवार ने, मंगलाचरण किया किरन जैन ने तथा भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया महिला मण्डल की प्रिया, मीनाक्षी व प्रेरणा के साथ रिया व नमिशा काला ने, पाद प्रक्षालन किया अजय कुमार जैन परिवार व कैलाश ठोलिया परिवार ने, शास्त्र भेंट किया पदम बिलाला परिवार ने, इनके साथ ही सुनील सेठी एवं केवल चन्द गोधा परिवार ने भी शास्त्र भेंट किया। आर्यिकाश्री ने धर्म सभा में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति ऊर्जा का केन्द्र है। धर्म से सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, यह उसके सकारात्मक विचारों पर निर्भर है। बुराई इसलिए समाज में है क्योंकि अच्छे लोग चुप हैं, संसार में हर तरह के लोग हैं। धर्म से शान्ति मिलती है। धर्म अनेक प्रकार से होता है लेकिन धर्म से शक्ति उन्हें ही मिलती है जो मन-वचन-काय से ध्यान करते हुए परमात्मा से जुड़ते हैं।

आचार्य श्री कुशाग्रनंदी गुरूवर्य का मनाया 37वां दीक्षा दिवस

जयपुर (नि.सं.)। महातपस्वी जैनाचार्य आचार्यश्री कुशाग्रनंदी गुरूवर्य का 37वां दीक्षा दिवस समारोह चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पारस विहार, मुहाना मंडी में धूमधाम से भक्तिभाव पूर्वक मनाया।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री जी के अभिषेक एवं आचार्यश्री के मुखारबिंद द्वारा महा शांतिधारा से हुआ।

भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2

साप्ताहिक
जैन गज़ट

मस्ती से न जीना ही सुस्ती से जीना है।

जैन समाज की बिखरती एकता - समाधान की आवश्यकता

प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या, चेन्नई
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

वर्धमान महावीर के 2621वें जन्म कल्याणक के कल्याणकारी अवसर पर उनका नमन करते हुए हमें महावीर पंथ की एकता पर चिंतन करना समयोचित ही नहीं, अपरिहार्य है।

आखिर हमारा पंथ क्या है? हम सभी 'महावीर पंथ' के अनुयायी हैं, इससे किसी को कोई इंकार नहीं है फिर क्यों और कैसे अन्य पंथ-उप पंथ प्रमुख हो गए, महावीर पंथ गौण हो गया। आखिर उसी के कारण तो हमारा अस्तित्व है, हमारा इतिहास है, हमारी संस्कृति है। एक-दूसरे से दुराव क्यों है? दूरी क्यों है? महावीर के बुनियादी संदेशों की सबमें मान्यता है। फिर उन्हें मानने में कालांतर में उपजी सबकी अपनी-अपनी ढफली सबके अपने-अपने राग में हम क्यों उलझ गए। इस हद तक कि अगर दिगम्बर धर्मायतनों पर अतिक्रमण हो रहा है तो श्वेताम्बरों का क्या लेना देना और अगर श्वेताम्बर धर्मस्थलों या स्थानकों पर अतिक्रमण हो रहा है, तो दिगम्बरों के लिए यह उनका निजी मामला है। यानि वह जिनागम उपासना स्थल नहीं रहे! पंथवाद या उप-पंथवाद अपनी-अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक मान्यता है पर यह मूल मान्यता से ऊपर नहीं हो सकती। ऐसा होने पर जैन या महावीर एकता कमजोर होती है। कमजोर क्या कहीं जमीनी स्तर पर नज़र नहीं आती। कहीं दिखाने का यदि प्रयास भी है, तो अंदर पंथ हठवादिता के राइडर लगे हुए हैं।

आज हमारी जैन जनसंख्या आधे करोड़ से भी कम है। उस पर भी हम न केवल दो पंथों दिगम्बर और श्वेताम्बर के रूप में पहचान में ज्यादा विष्वास रखते हैं, वरन मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरहपंथी, बीसपंथी, तेरापंथी, कहानजीपंथी आदि कहने-कहलवाने में ज्यादा रूचि रखते हैं। महावीर पंथ इन सबके बीच में कहीं खो गया है! जैन धर्म गौण हो गया है। इस माहौल में जैन एकता बिखर सी गयी है, खो सी गई है। संवेत शक्ति का ह्रास हो गया है। सबसे बड़ा प्रमाण राजसत्ता में हमारा दिन पर दिन घटता प्रभाव है। संसद में लगभग 50 सांसदों से घटकर हम मात्र 2-3 की संख्या पर आ गए हैं। विधान सभाओं में भी कमोबेश यही हाल है। चुनावों के लिए कोई भी राजनैतिक दल जैन प्रत्याशी पर हाथ तक नहीं रखता। यह दूसरी विडम्बना है कि हम उनके झंडे उठाये रखने में, जय जयकार करने में गर्व महसूस करते हैं।

इसका सीधा प्रभाव हमारे तीर्थों-धर्मायतनों की सुरक्षा पर पड़ा है। गत शताब्दियों में इतना खतरा कभी नहीं आया जो आज इक्कीसवीं सदी में उत्तरोतर बढ़ रहा है। चाहे गिरनार हो, चाहे सम्मेद शिखर हो, चाहे पालिताना हो, सब घटनाक्रम और अंजाम से वाकिफ हैं, पर हमें आपस में लड़ने, मुकदमेबाजी से फुर्सत नहीं है। माने न माने इसका मूल कारण जैन एकता का ह्रास है। आज जन साधारण और राजसत्ता में हमारी पहचान 'जैन' से कम पंथ और उप पंथों से ज्यादा है। एक तो जन शक्ति में कम ऊपर से बिखरे हुए, यही नतीजा होना है। पूजा पद्धति अलग होना अलग बात है, यह व्यक्ति या समूह की अपनी मान्यता है। विभिन्न पद्धतियाँ सह अस्तित्व बनाये रखकर मूल पंथ महावीर पंथ या जैन धर्म को सर्वोपरि बनाये रख सकती हैं। खोयी हुई 'जैन एकता' को पुनर्स्थापित कर सकती हैं। यही समाज के हित में है।

श्रावक और संत मिलकर जितना जल्दी इसे कर लें, उत्तम है, अन्यथा जैन धर्म और उसके पावन तीर्थों, धर्मायतनों और जिनवाणी का भविष्य क्या होगा, यह इतिहास बताएगा।

जैन गजट नई साज सज्जा के साथ निकाला है इसके लिए आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा सदस्यता विकास उप-समिति

सविनय निवेदन

सादर जय जिनेन्द्र। 127 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा ने आगम की परम्परा का निर्वाह करते हुए धर्म, संस्कृति, तीर्थ, शिक्षा, समाज विकास, एकता और राष्ट्रीय संस्थाओं से समन्वय का बराबर समर्थन किया है। महासभा के उद्देश्य एवं कार्यों से समाज को मजबूती मिली है, इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए महासभा ने सदस्यता अभियान के अंतर्गत 'सदस्यता विकास उप समिति' का गठन किया है।

उप समिति, आप सभी से सादर निवेदन करना चाहती है कि कोई भी महानुभाव स्वेच्छा से या जो रिटायर हैं, इस अभियान से जुड़कर महासभा के मेम्बर बनवाने में मदद करके महासभा को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। आप नीचे लिखे मोबाईल नम्बर पर हमसे संपर्क करके अपनी सहभागिता निभा सकते हैं।....**सादर जय जिनेन्द्र**

गजराज जैन गंगवाल (राष्ट्रीय अध्यक्ष) मो. 9810900009 — सद्भावी — प्रकाश चंद जैन बड़जात्या (राष्ट्रीय महामंत्री) मो. 9840213132

महीपाल जैन पहाड़िया, अध्यक्ष (उप समिति), मो. 8000007783
संदीप जैन, मंत्री (उप समिति), मो. 9810085563
अशोक कुमार चूड़ीवाल, कोषाध्यक्ष (उप समिति), मो. 9435124862

वैवाहिक विज्ञापन

वर चाहिए

नाम : श्वेता, जन्मदिन : 10 फरवरी, 1995, कद : 5फीट 2 इंच, शिक्षा : सी.एस., पिता व्यवसायी, प्रतिष्ठित एवं धनसम्पदा से सम्पन्न, भाई सी.ए. इनकी पत्नी भी सी.ए., दोनों उच्च पदासीन, गोत्र स्वयं : बोहरा, मामा : काला, निवास : मुम्बई, भाइन्दर, योग्य, शिक्षित, सम्पन्न, चारित्रवान, सजांतिय, विशेष सर्विस या व्यवसायरत सुन्दर वर चाहिए। जयपुर, अजमेर, मुम्बई वाले को प्राथमिकता। लड़की के सभी रिश्तेदार जयपुर में विस्थापित हैं। परिवार में तीन चाचा-चाची, एक ताऊ-ताई हैं सभी सम्पन्न हैं। सम्पर्क करें : 8107581334

विज्ञा वाणी

उस स्थान पर हमेशा खामोश रहना चाहिये जहां दो कोड़ी के लोग अपनी हैसियत के गुण गाते हो।

भारत गौरव आर्यिकारत्न 105 विज्ञा श्री माताजी राजस्थान में टोंक जिले के नगर फोर्ट में भव्य धर्म की प्रभावना बढ़ा रही हैं।

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा (रांवका)
बनीपार्क, जयपुर (राज.)

जय जिनेन्द्र | ।। अहिंसा परमोधर्म ।। | जय जिनेन्द्र

25 वर्षो से अटूट विश्वास

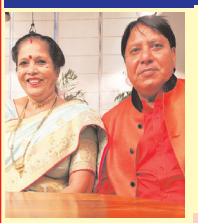

शिवकुमार श्रीमती मधु जैन

हमारे यहां वेदी, शिखर, मान स्तंभ, मेन गेट, श्रृंगार चौकी, रंग मण्डप, एवं मंदिर जी से संबंधित समस्त कार्य (नींव से शिखर तक) कांस्ट्रक्शन सहित मकराना, सफेद मार्बल का कार्य कुशल कारीगरों द्वारा बेदाग किया जाता है।

नोट- समस्त कार्य वास्तु को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

प्रोपराइटर - शिव कुमार जैन, दीपांशु जैन
- प्रतिष्ठान -
Shree Mahaveer Arts (Since-1996)
10/124, Swarn Path, Mansarovar Jaipur-302020
Phone : 9928367260, 9680111119

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रमुख पदाधिकारी एवं जैन गजट का सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मैसर्स चन्द्रप्रभु इंटरनेशनल लि.
14, रानी झांसी रोड,
दिल्ली- 110055
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
तिजारिया हाउस,
एफ-32, घीया मार्ग,
बनी पार्क, जयपुर
राज.- 302016
मोबा. 8290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
135 Poonnamalle High Road Sapana Trade Center, 5th Floor,Puruswalkam, Chennai-600084
Mob.9840213132
Email-chennai@shriniwasa.com

अध्यक्ष परामर्शदाता समिति एवं पंजीकृत सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
कामर्स हाउस, ए. टी. रोड,
गुवाहाटी-781001 (आसाम)
Mob.09864118950,09854050969
Email-kcjain39@gmail.com

सदस्य : परामर्श दाता समिति
शिवचरनलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
श्री बसन्तसागर (शास्त्री), शिवाड़
मो. 8107581334

प्रधान संपादक
भरत कुमार काला
डी-317, एकता वुड,
राहेजा इस्टेट, कुलुपवाडी,
नेशनल पार्क के पास, बोरिवली
(पू.) मुम्बई-400066 (महा.)
फोन नं. 022-49782435,
मो. नं. -09224296198
Bharatkumarkala@gmail.com

सह-संपादक
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
श्री विपीन कोटड़िया, हिम्मतनगर
मो. 09428281724

प्रकाशक व प्रबंध सम्पादक
सुधेश कुमार जैन
मो.09415108233
नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग,लखनऊ-226004 (उ.प्र.)
dmahasabha@yahoo.com

दिल्ली कार्यालय
प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली- 110001
011-23344668, 23344669
website:digiainmahasabha.org
digiainmahasabha@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

यदि आपको जैन गजट के लखनऊ कार्यालय में शिकायत करने के बाद भी जैन गजट नहीं मिल रहा है तो उसके लिए महासभा दिल्ली कार्यलय में सम्पर्क करें।
सूत्र : श्री कमल पाटोदी दिल्ली
मो. 09871138842

साप्ताहिक
जैन गज़ट
भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2
सोमवार, 18 अप्रैल 2022
7607921391
jaingazette2@gmail.com
5

धोखे से कष्ट कमाया जा सकता है आनंद नहीं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

OFFICE :
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A. T. Road, Guwahati-781 001
M.: 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H. S. Road, Chhatribari, Guwahati-781 008
E-mail: casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

SUPERCON
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
MAKE IN INDIA

प्लास्टिक सेप्टिक टैंक

पॉलीथिलीन सेप्टिक टैंक बिना जोड़ की रोटो मोल्डिंग विधि द्वारा (One Piece) निर्मित हुआ है। अपशिष्ट की प्रोसेसिंग में इसकी डिजाइन एवं कच्चे माल (रॉ मैटेरियल) का महत्वपूर्ण रोल है। दीवारों की उचित मोटाई पृथ्वी के भार एवं दबाव के अनुसार बनाई गई है। वजन में हल्की होने के कारण कहीं भी ले जाने एवं लगाने में अत्यधिक सुविधाजनक है। विशेष प्रकार की पॉलीथिलीन एवं अन्य केमिकल के मिश्रण से निर्मित होने के कारण इसकी उम्र 50 वर्ष से अधिक ही है। जरूरत पड़ने पर एक जगह से निकालकर दूसरी जगह भी लगाया जा सकता है। प्रतिदिन टायलेट इस्तेमाल करने के लोगों की संख्या के अनुसार विभिन्न आकार में उपलब्ध है।

Technical Specification

S.No.	Models	Type 1	Type 2
1	MRP (in ₹)	15000.00	30000.00
2	No. of Users Per Day	12-15	25-30
3	Capacity	600 ltr	1200 ltr
4	Diameter	760mm	1020mm
5	Lenght	1930mm	2210mm
6	Thickness	10mm	10mm
7	No. of Chambers	3	3
8	No. of Manholes	2	2
9	Size of Manholes	320mm	320mm
10	Diameter of Inlet & Outlet pipe	110mm	110mm

सेप्टिक टैंक के लगाने की विधि

सेप्टिक टैंक की लम्बाई एवं चौड़ाई की नाप से लगभग चार/छः इंच चारों तरफ बड़ा गड्ढा खोदना चाहिए और टैंक की उंचाई से एक फुट ज्यादा गहरा गड्ढा होना चाहिए । गड्ढे की फर्श और दीवारों को समतल कर लेना चाहिए। फर्श पर छनी हुई साफ बालू की चार इंच मोटाई की तह बिछा कर सेप्टिक टैंक को रखना चाहिए । अब चारों तरफ से छनी हुई साफ बालू को आधी ऊचाई तक भरना चाहिए ।
अब टैंक में आधी ऊचाई तक पानी भर दें। सभी पाइपों को टैंक से जोड़ दें एवं गैस पाइप भी लगा दें। अब पूरा टैंक पानी से भर दें । अब बालू से बाकी खाली जगह मुँह तक भर दें ।अब मिट्टी डाल कर समतल कर लें। आपका सेप्टिक टैंक इस्तेमाल करने के लिए तैयार हो गया ।आउट लेट के पाइप को नाली या सोकपिट से जोड़ दें।

Office Address
17 A Neel Cottage, Maldahiya
Varanasi 221002

JAIN AGENCIES

Contact us
www.jainagencies.in
jainagencies3@gmail.com

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज व मुनि श्री अरह सागर जी के सानिध्य में

पटना में भ. महावीर जन्म कल्याणक पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

प्रवीण जैन

पटना सिटी। तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2621वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर जैन समुदाय ने 14 अप्रैल को खाजेकलां स्थित श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर से कंगन घाट तक धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक भव्य शोभायात्रा निकाली। इसके पूर्व तीर्थंकर महावीर जयंती चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर श्री चंद्रप्रभु जिनालय पंचायती मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा व विशेष पूजन-अर्चना कर प्रभु के समक्ष अर्घ्य समर्पित किया गया। तत्पश्चात् मंदिर जी से पारम्परिक केशरिया वस्त्र में जैन श्रद्धालुओं ने श्री जी को पालकी में विराजमान कर शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज व मुनिश्री अरह सागर जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। दिगम्बर और श्वेताम्बर जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई शोभायात्रा में श्रद्धालु अहिंसा परमोः धर्मः, जियो और जीने दो, शाकाहार, शांति, दया और करूणा का संदेश देते चल रहे थे। शोभायात्रा का समापन कंगन घाट में बने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य पूजा पंडाल में पहुंचकर हुआ।

भ. महावीर जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित

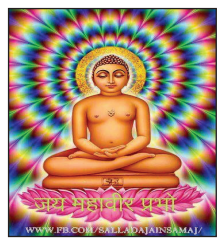

सुरेश कुमार-ललिता देवी बाकलीवाल,
अमित कुमार- स्नेहा देवी बाकलीवाल
कैयरा, जेस्वी, शारव बाकलीवाल

सुरेश कुमार जैन एण्ड कंपनी

तरूण राम फुकन रोड, फैन्सी बाजार, गुवाहाटी-781001

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN
be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries

Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

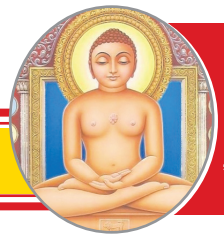

सम्पादकीय
जन्म कल्याणक विशेषांक 2

साप्ताहिक
जैन गज़ट

पर में शान बताने वाले को नुकसान ही होता है।

प्राणीमात्र पर दया करो एवं करूणा का भाव रखो : भगवान महावीर

महावीर क्या जैनियों के ही थे?

डॉ. सुशीला सालगिया, इन्दौर

भगवान महावीर को जैनियों के भगवान कहकर हम उन्हें बहुत छोटा कर देते हैं, जबकि उनके उपदेश केवल जैनियों के लिए ही नहीं थे। उनके समवशरण (धर्म सभाओं) में सुर-असुर, मनुष्य और पशु-पक्षी तक उनके वचनामृत का पान करते थे। वर्ण, जाति, सम्प्रदाय के बन्धनों की सीमा वहां नहीं थी। जिनागमों में वर्णन के आधार पर हिंसक पशु तक परस्पर बैर भाव त्यागकर वहां बैठते थे। कई जैन मंदिरों के भित्ति चित्रों में इस अंकन को देखा जा सकता है।

महावीर के प्रथम शिष्य ब्राह्मण थे : महावीर द्वारा उपदिष्टित इस श्रवण मार्ग में वर्ण और सम्प्रदाय निरपेक्षता सम्बन्धी विशेष उल्लेखनीय बात यह थी कि इसे प्रवर्तन करने वाले महावीर स्वयं ज्ञातृवंशीय क्षत्रिय राजकुमार थे। उनके अनेक अनुयायी क्षत्रिय राजा, ब्राह्मण, वैश्य आदि वर्गों के लोग थे। महावीर के प्रथम शिष्य इन्द्र भूति (गौतम गणधर) स्वयं ब्राह्मण थे। वे सम्पूर्ण वेद वेदांगों के ज्ञाता तथा प्रकांड विद्वान थे। महावीर की दिव्य वाणी को धारण कर उसकी सरल सुबोध व्याख्या सर्वप्रथम गौतम गणधर द्वारा ही की गई और उन्हीं के द्वारा द्वादश अंग और चौदह पूर्वो की रचना भी की गई।

लोक भाषा को महत्व : महावीर जनकल्याण के लिए 30 वर्षो तक नगरों और ग्रामों में पैदल विहार करते रहे। उनके उपदेश उस समय की प्रचलित लोकभाषा
अर्धमागधी में हुआ करते थे। इस प्रकार लोकभाषा में उपदेश देना यह भी एक क्रान्तिकारी कदम था। उसका लाभ सीमित लोगों को न मिलकर सर्वसाधारण को मिले, क्योंकि तीर्थकर महावीर के मानस में आत्म कल्याण के साथ-साथ विश्व कलयाण की भावना भी थी। महावीर के अनुयायी क्षत्रिय राजा - मगध नरेश बिम्बसार जो श्रेणिक के नाम से प्रसिद्ध हुए महावीर के परम भक्त हो गये थे। महावीर की विविध धर्म सभाओं में उनके द्वारा पूछे गये 60 हजार प्रश्नों के उत्तर के रूप में अनेक ग्रंथों का प्रणयन हुआ। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में जैन और बौद्ध धर्म अपने उत्कर्ष पर थे। वीर निर्वाण के करीब 200 वर्ष पश्चात चाणक्य की सहायता से चन्द्रगुप्त मौर्य मगध के सिंहासन पर आसीन हुए। उन्होंने अपने जीवन के उत्तर काल में जैन धर्म स्वीकार कर उसके प्रचारार्थ यूनान, मिश्र आदि दूरस्थ देशों में धर्म दूत भेजे। अपने जीवन के अन्तिम काल में जैनाचार्य भद्रबाहु से दीक्षित होकर श्रवणबेलगोल मैसूर राज्य में समाधिस्थ हुए। वहां पाये जाने वाले शिलालेख इस बात की पुष्टि करते है जिसे पुरातत्ववेत्ताओं ने भी स्वीकार किया है। उनकी मुक्ति जिस पर्वत पर हुई उसका नाम चंद्रगिरि प्रसिद्ध हो गया। इतिहास जहां सम्राट चन्द्रगुप्त के जीवन के अन्तिम समय के बारे में मौन है वहां प्राचीन जैन ग्रंथों में उससे संबंधित प्रचुर सामग्री उपलब्ध है।

चन्द्रगुप्त के बाद की सम्पूर्ण भारत में समय-समय पर अनेक राजाओं द्वारा जैन धर्म अंगीकृत करके उसके प्रचार-प्रसार के प्रयत्न किये गये। सम्राट सम्प्रति, खारवेल, गर्दभिल्ल, कुमारपाल आदि जैन राजा इतिहास में प्रसिद्ध हुए हैं। ईसा की चौथी से लेकर 12वीं शताब्दी तक मध्य और दक्षिण भारत में जैन धर्म का व्यापक प्रभाव कदम्ब, गंग, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल इत्यादि राजवंशों के समय रहा क्योंकि ये महावीर के अनुयायी थे। इस प्रकार ऋषभदेव से प्रवर्तित धर्म अबाधित रूप से महावीर तक और इसकी परम्परा आज महावीर निर्वाण के पश्चात 2548 वर्ष तक चली आ रही है और आगे भी चलती रहेगी।

महावीर का सिद्धान्त : प्रत्येक आत्मा परमात्मा बन सकता है। महावीर के दर्शन की मूल भावना ही यह है कि प्रत्येक आत्मा अपना विकास करके परमात्मा बन सकता है। यह शक्ति संसार के क्षुद्रतम प्राणी से लेकर मानव तक में निहित है। जैनागम में इस शक्ति को उपादान कहा गया है। जब जीवात्मा पुरूषार्थ करे और योग्य निमित्त (कारण) उपस्थित होने पर उसके कर्म (पाप बन्धन) क्षय हो जाते हैं, तब वही आत्मा परमात्मा बन जाता है। इस सिद्धान्त को हम महावीर के जीवन में हुए क्रमिक उत्थान के रूप में देख सकते हैं।

महावीर की विकास यात्रा : अपने पूर्व भव में स्वयं महावीर हिंसक सिंह के रूप में वन में विचरण करते थे किन्तु आत्मबोध प्राप्त कर हिंसक वृत्ति का त्याग कर दिया। उस जीवात्मा के अशुभ कर्मो का क्षय और शुभ कर्मो का उदय होने पर कुछ भवों के अनन्तर वैशाली के राजा सिद्धार्थ के महल में माता त्रिशला की कोख से चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जन्म लिया। दिव्य गुणों से युक्त इस बालक के गर्भ में आने के बाद ही माता-पिता को अतीव सुखों की प्राप्ति हुई और पिता के धन व कीर्ति में निरन्तर वृद्धि होने लगी। फलस्वरूप वर्धमान नाम रखा गया। अद्वितीय गुणयुक्त बालक के दर्शन मात्र से मुनियों के मन का संशय दूर होने से सन्मति नाम प्राप्त किया। बाल्यावस्था में खेलते-खेलते सर्प को वश में करने एवं किशोरावस्था में मदोन्मत्त हाथी को नियंत्रण में करने के कारण वीर अतिवीर और महावीर नाम धारण किये।

30 वर्ण की अल्पायु में दीक्षित होकर 12 वर्ष तक कठोर तपस्या करके केवलज्ञान प्राप्त किया। 72 वर्ष की आयु पर्यन्त देश के विभिन्न स्थानों में भ्रमण कर जन कल्याणकारी उपदेश देते रहे। अंततः कठिन तपस्या करते हुए पावापुरी, वर्तमान बिहार राज्य में मुक्ति प्राप्त की।

आत्मा परमात्मा कैसे बने : महावीर के चिन्तन का मूलभाव आत्मोत्थान था। अतः उन्होंने उसके उपाय भी बताये, जिन्हें संक्षेप में और सरल रूप में इस तरह समझा जा सकता है - सर्वप्रथम उन्होंने मनुष्य को पंच पाप और चार कषाय त्याग कर उपदेश दिया। वे पांच पाप है - हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह तथा चार कषाय हैं - क्रोध, मान, माया (छल-कपट) व लोभ। महावीर ने श्रावकों के लिए अष्ट मूल गुण अनिवार्य बताये। वे अष्ट मूल गुण है पांच उदम्बर फलों का त्याग अर्थात फलों के ऐसे पांच प्रकार जिनमें त्रस जीव रहते हैं। साथ ही मधु, मांस, मद्य का त्याग। इच्छा निरोध एवं तप को भी महावीर ने बहुत महत्व दिया। आज के इस भौतिक युग में इच्छाओं का कोई अन्त नहीं। अगर मनुष्य की इच्छाओं पर रोक नहीं लगे तो उसकी सीमाएं क्या होगी? यदि हमें परमात्मपद प्राप्त करना है तो इच्छाओं का निरोध अनिवार्य है और द्वेषादि को भी त्यागना होगा। ईर्ष्या, द्वेष आदि सांसारिक झगड़ों के मूल हैं। तीव्र राग अर्थात मोह भी पाप पंक में डुबोता है। अतः महावीर का मोह त्याग तो इस धरातल पर पहुंचा है जहां मनुष्य अपने शरीर के प्रति भी ममत्व भाव का त्याग कर अनासक्त हो जाता है। यदि गहराई से चिन्तन किया जाय तो इन सभी सिद्धान्तों का आचरण वर्ण, जाति, धर्म और सम्प्रदाय की सीमा से परे मानव मात्र के लिए उपयोगी है। अहिंसा और सर्वोदय के सूत्र

महावीर दर्शन में : गांधीजी द्वारा अपनाई गई अहिंसा के सूत्र महावीर की अहिंसा से जुड़े थे। इस बात की स्वीकारोक्ति स्वयं गांधीजी ने की थी कि अहिंसा का पाठ मैंने अपने परम मित्र श्रीमद् रायचंद्र से सीखा जो जैन थे। उसी अहिंसा के बल पर विदेशी साम्राज्य का झण्डा झुका था। महावीर में जिस लोकोपकारी धर्म का प्रवर्तन किया वह मानव मात्र के कल्याण से जुड़ा था। यह सबके उदय का मार्ग प्रशस्त करने वाला और सबको श्रेयो मार्ग पर आरूढ़ करने वाला है। ईसा की दूसरी शताब्दी में हुए आचार्य समन्तभद्र ने महावीर के तीर्थ को

सर्वोदय नाम दिया और कहा : ''सर्वान्त व तद्गुण मुख्यकल्पं सर्वान्त शून्यं च मिथोऽन पेक्षम्। सर्वा पदामत्तकरं निरन्तं सर्वोदयं तीर्थमिदं तदैव।। भाव यह है कि यह सर्वोदय तीर्थ सतत् चला आ रहा है, सब संकटों का अन्त करने वाला और सबका उत्कर्ष करने वाला है। आगे चलकर गांधी और विनोबा द्वारा ग्रहण करने पर इस सर्वोदय शब्द को भी खूब प्रसिद्धि तो मिली ही, साथ ही इसे आत्मसात भी किया गया।

मानव धर्म के प्रतिपादक : इस प्रकार भगवान महावीर ने मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण मानव धर्म का प्रतिपादन किया और ऊंच-नीच का भेद मिटाकर मानव मात्र के कल्याण का मार्ग बताया - अपने युग में हो रहे शूद्रों और स्त्रियों के साथ अमानवीय बर्ताव करने वालों को ललकारा। स्त्रियों को सम्माननीय स्थान देकर उन्हें अपने संघ में प्रवेश दिया। उनके मानव धर्म में छोटे-बड़े, पुरूष-स्त्री का कोई भेद नहीं था और न कोई भेद था राजा और रंक में। उनका धर्म आचरण और कर्म पर बल देता था न कि वर्ण और जाति पर। उनके धर्म तीर्थ में सिंह और गाय एक घाट पर पानी पीते थे। ऐसे उदार धर्म प्रवर्तक को संकुचित घेरे में क्यों रखा जाय?

जैन गज़ट के सदस्य बनकर घर बैठे देश भर के जैन समाज की गतिविधियों के समाचार, मुनिराजों के प्रवचन, आगम प्रधान लेख, साहित्य समीक्षा, महासभा की गतिविधियां, विविध समाचार, प्रति सप्ताह पढ़ें। इसका उद्देश्य मात्र सम्पूर्ण विश्व में जैन धर्म का प्रचार प्रसार करना है। यदि आप सदस्य नहीं हैं तो बनकर सहभागी बनिये।

जैन गजट के सदस्य कैसे बनें

सदस्य बनने हेतु सदस्यता राशि 'जैन गज़ट' के नाम से ड्राफ्ट द्वारा निम्न पते पर भिजवायें या फिर आप अपने नगर के पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी शाखा में 'जैन गजट' लखनऊ के सेविंग एकाउंट नं. 2405000100102500 ,(RTGS/NEFTIFS CODE-PUNB0185600)में ऑन लाइन के द्वारा नकदी या चेक से सहयोग या सदस्यता राशि जमा कर सकते है। राशि जमा करने के पश्चात् लखनऊ कार्यालय को अपने पूरे पते, फोन नम्बर तथा ई मेल पते सहित अवश्य सूचित करने का कष्ट करें।

Web Site: www.jaingajat.com
Email:dmahasabha@yahoo.com, jaingajat2@gmail.com

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष): 300/रु.,
आजीवन (दस वर्ष): 2100/रु.,

उक्त दोनों श्रेणियों में जैन गजट पंजीकृत समाचार पत्रों के लिये निर्धारित रियायती डाक शुल्क (साधारण डाक) से जायेगा।

जैन गजट कोरियर से मंगाने पर सभी श्रेणियों में दिल्ली व उ. प्र. में 1000/- तथा अन्य प्रदेश में 1500/- रु. प्रति वर्ष अतिरिक्त शुल्क देय होगा। उक्त सदस्यता श्रेणी के अतिरिक्त जैन गजट में अन्य किसी भी प्रकार की श्रेणी नहीं है।

जैन गजट में विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क कीजिए

विज्ञापन संपर्क: 0522-2662589, 2661021, 9415108233, 7607921391

'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' का सदस्यता शुल्क

केंद्रीय स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) -

कुल शुल्क (जैन गजट के शुल्क रु. 9,900/- सहित) रु. 11,000/- 'जैन गजट' साप्ताहिक 10 वर्ष तक साधारण डाक से भेजा जायेगा।

राज्य स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष)

कुल शुल्क रु. 300/- डिजिटल 'जैन गजट' 10 वर्ष जायेगा।
उक्त श्रेणी एवं सदस्यता शुल्क वर्तमान में चल रहा है एवं पूर्व में ही लागू हो चुका है।
सदस्यता शुल्क पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के एकाउण्ट नम्बर 2405 0001 000 33312 में जमा किया जा सकता है, जिसकी डिपोजिट स्लिप प्रेषित करें। कार्यालय में नगद दिया जा सकता है या मनीआर्डर, चैक, बैंक ड्राफ्ट या ऑनलाइन भेजा जा सकता है। ऑनलाईन
RTGS/NEET/IFS के लिए CODE-PUNB 0185 600 है, जिसकी स्क्रीन शॉट की फोटोकॉपी सदस्यता फार्म के साथ निम्न पते पर भेजें - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा कार्यालय
श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ.प्र.) फोन : 91 522-2662589, 522-2661021 ईमेल: **dmahasabha@yahoo.com whatsapp No. 7607921391**

Jain Gazette Saving A/C No.2405000100102500
(RTGS/NEFTIFS CODE-PUNB0185600)
(Punjab National Bank,Rajendra Nagar,Lucknow) Pin code-226004

संपर्क सूत्र, सदस्यता राशि भेजने का पता
जैन गजट कार्यालय श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004, फोन- 0522- 2662589, 2661021

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिये न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।
लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

JITO SEVA · KNOWLEDGE · ECONOMIC EMPOWERMENT

JATF
JITO ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

SHAPING THE FUTURE OF INDIA

JITO ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

Golden Opportunity for graduates
to join prestigious Government
& Banking Services

CIVIL SERVICES

UPSC / SPSC TO BECOME IAS/IPS/IRS/DC/DYSP

- AGE - 20 TO 28 YRS
- BRIGHT & BRILLIANT GRADUATES
- PREFERENCE TO THOSE FROM IIT, IIM, NIT, IIIT, NLU, MBBS & CA
- SELECTION BY CET EXAM & INTERVIEW

CENTRES AT DELHI, JAIPUR, INDORE, PUNE, BENGALURU

BANKING SERVICES

TO BECOME BANK P. O. IN SBI/IBPS/RRS/RBI

- AGE - 21 TO 28 YRS
- BRIGHT & BRILLIANT GRADUATES
- PREFERENCE TO THOSE GOOD AT MATHS, REASONING, ENGLISH
- SELECTION BY BEAT EXAM

CENTRE AT PUNE

LAST DATE OF REGISTRATION FOR CET-2022 & BEAT-2022-I : THURSDAY, 28th APRIL 2022

CET-2022 & BEAT-2022-I EXAM ON : SUNDAY, 8th MAY 2022

FOR ONLINE REGISTRATION FOR NEXT BATCH
VISIT : WWW.JATFADMISSION.ORG

FACILITIES OFFERED

Subsidised coaching and in-house test series | Counseling, guidance & mentoring by Senior Civil officers / Competitive & Cultured environment | Library with latest books & Wi-Fi | Lodging, boarding with Jain food.

HEAD OFFICE : 101, B Wing, Business Square at Solitaire Park, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 093 • Tel: 022 4023 3001/2 • Website: www.jatf.in

DELHI CENTRE : C-2, East Park Road, Opp Prem Dhaba, Behind D-Mart, Karol Bagh, New Delhi - 110 005 • Tel: 011-40046246/47/48

For More Details, Visit Website : www.jatf.in

Contact - Manish Jain : 011-4004 6246 / 47 / 48 (DELHI) * Vivek Jain : +91 6378205352 (JAIPUR) * Nalini Rathod : +91 9423585832 (PUNE) * M. L. Nagori : 0731-4052590 (INDORE)

भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2

साप्ताहिक
जैन गज़ट

शांति चाहिए तो हर प्रसंग में शांत रहियेः महावीर

वैशाली में मानस्तंभ शिलान्यास सानंद सम्पन्न

डॉ. अशोक जैन शास्त्री गोयल, दिल्ली

वैशाली (मुज्जफरपुर) (नि. सं.)। भ. महावीर स्वामी की जन्म स्थली वैशाली वासोकुंड (मुज्जफरपुर बिहार) में 3 अप्रैल, रविवार 2022 को शुभ मुहूर्त में श्वेतपिच्छाचार्य विद्यानंद जी की पावन प्रेरणा और आचार्य श्रुतसागर मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से भव्य मानस्तंभ शिलान्यास समारोह सानंद संपन्न हुआ।

शिलान्यास विधि-विधान की सभी मांगलिक कार्य श्री राजकुमार जैन वीरा बिल्डर दिल्ली, श्री राकेश जैन ए जी आर एन्क्लेव दिल्ली, श्री मुकेश जैन बाहुबली एन्क्लेव दिल्ली, श्री सतीश जैन एस जी ए बसंत विहार, श्री राकेश जैन गौतम मोटर्स ग्रीन पार्क दिल्ली, श्री नरेश कुमार जैन कामधेनु सरिया बसंत विहार दिल्ली, श्री अक्षय कुमार जैन, आर. के. टैक्ट, बसंत विहार दिल्ली, श्री अनुज जैन ए डी जे हाजीपुर और मुजफ्फरपुर, पटना जैन समाज की पावन उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ।

विधिविधान के सभी कार्यक्रम डॉ. अशोक जैन शास्त्री गोयल, दिल्ली के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

|| बारूद के ढेर पर बैठे विश्व में ||

भ. महावीर स्वामी के सिद्धान्तों से शांति सम्भव

जैन गज़ट/पारस जैन 'पार्श्वमणि' संवाददाता

कोटा। भारतीय संस्कृति पूज्यनीय अभिनंदनीय वंदनीय थी है और सदैव रहेगी। यहां की पावन वसुंधरा पर समय-समय पर अनेकानेक दिव्य महापुरूष, संतों ने जन्म लेकर मानव मात्र के जीवन में नव चेतना का संचार किया है।

भगवान महावीर स्वामी जी के द्वारा दिये गए पंचशील सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह व अचौर्य (चोरी नहीं करना) और ब्रह्मचर्य। आज भी अप टू डेट हैं, आउट ऑफ डेट नहीं हुये। आज सम्पूर्ण विश्व बारूद के ढेर पर बैठा है। परमाणु हथियार चलाने की भी धमकियां दी जा रही है।

रूस और यूक्रेन में जो युद्ध चल रहा है इसमें कितने निर्दोष लोगों की जाने चली गईं। बड़ी-बड़ी इमारतें आलीशन भव्य नगर खण्डहरों में बदल गए। देखते ही देखते लोग करोड़पति से रोडपति हो गए। जहां तर्क है वहां नर्क है, जहां समर्पण है वहां स्वर्ग है। किसी ने बहुत अच्छा लिखा है महावीर का 'म' कहता है मन संयम रहे बना, महावीर का 'ह' कहता है हाथ दया से रहे सना, महावीर 'वी' कहता है वीतराग इंसान बने महावीर और 'र' कहता है राम कृष्ण महावीर बने। आज के इस दौर में जब-सब कुछ बदल रहा है हमारे आचार-विचार सब कुछ में परिवर्तन आ चुका है। आज मानव है मानवता नहीं रही, इंसान है इंसानियत नहीं रही। ऐसे समय में महापुरूषों के जीवन चरित्र हमारे जीवन में नव चेतना का संचार करते है। नर से नारायण, तीतर से तीर्थंकर की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इनके जीवन चरित्र पड़ने से जीवन में सद् संस्कारों का बीजारोपण होता है। इनके जीवन चरित्र से हमको कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने आत्म बल में कैसे मजबूत रखना है यह कला आ जाती है। जीवन जीवंत हो उठता है। 22 मार्च, 2020 कोरोना काल का समय हमको जीवन का सत्यता का बोध करा गया। कोरोना के कहर ने सादगी से जीना सिखा दिया। कोरोना की विपदा और रूस, यूक्रेन की लड़ाई जिसमें आदमी को अपनी औकात पता लग गयी लेकिन फिर भी वह नहीं संभल रहा है। जैन धर्म दर्शन के स्याद्वाद और अनेकान्त के सिद्धान्त से विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान निहित है। बारूद के ढेर पर बैठा आज विश्व कैसा कलयुग आ गया। मुझे अंत में सुप्रसिद्ध संगीतकार स्व. रविन्द्र जी जैन द्वारा लिखी वो लाइनें याद आ रही है 'हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है'' वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।

धार्मिक/सामाजिक आयोजनों के अवसर पर जैन गजट को सहयोग राशि भेजना न भूलें। संपर्क : 0522-2661021

जन्म व तप कल्याणक मनाया

भीलवाड़ा (नि.सं.)। बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में आदिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। मंगलाष्टक द्वारा श्रीजी को पांडुक शिला पर विराजमान किया गया। पूनमचंद सेठी ने 108 रिद्धि मंत्रों के उच्चारण कर श्रावकों ने सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक किया। इस उपरांत राजकुमार शाह ने आदिनाथ भगवान पर शांति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। ताराचंद अग्रवाल परिवार ने बड़े बाबा पदम प्रभु भगवान एवं शांतिनाथ भगवान पर तथा राकेश कुमार जैन बघेरवाल ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। सायंकाल 48 दीपों से भक्तामर स्त्रोत की महाआरती की गई। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

- प्रकाश पाटनी, संवाददाता

प्रतिमा विराजमान

जैन गज़ट

गुवाहाटी (नि. सं.)। आठगांव स्थित श्री शांतिनाथ दि. जैन चैत्यालय में श्री 1008 कुन्थुनाथ भगवान की प्रतिष्ठित प्रतिमा को विधि विधान द्वारा स्थापित की गई। इस अवसर पर भागलपुर से पधारे ब्रह्मचारी विनय शास्त्री व स्थानीय पंडित संतोष कु. शास्त्री के सान्निध्य में श्री जी को सर्व प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य ताराचंद, कमल कुमार, विकास कुमार छाबड़ा (सपरिवार) को प्राप्त हुआ, तत्पश्चात सर्वप्रथम कलशाभिषेक करने का सौभाग्य चिरंजीलाल जी, रणजीत कुमार, मनीष कु. गंगवाल (सपरिवार) को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्रीजी को वेदी में विराजमान करने का सौभाग्य अनील कुमार, सौरभ कु. अनीता देवी ठोल्या (सपरिवार) को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात ब्र. विनय शास्त्री व संतोष कु. शास्त्री के सान्निध्य में नित नियम पूजन व श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के बच्चे, पुरूष एवं महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन श्री जी की महाआरती के पश्चात हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तम चंद पाटनी, उदय चंद पाटनी, विजय कुमार पाटनी, मनोज कुमार विनाक्या, राज कुमार अजमेरा, शैलेश गंगवाल, अशोक चौधरी, रणजीत कुमार गंगवाल, मयंक जैन, सुमित गोधा आदि के अलावा आठगांव चैत्यालय के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

सुनील कुमार सेठी, संवाददाता

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

जोधपुर। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला अन्धता निवारण समिति जोधपुर व परमार्थ रिलीफ सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10.02.2022 को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर स्थान संत नामदेव भवन एवं छात्रावास गली नं. 8, श्याम मनोहर नगर, सुन्दर बालाजी मन्दिर के सामने, चौपासनी, जोधपुर में आयोजित किया उसमें 170 नेत्र रोगियों की जांच की गई। उनमें से चयनित 50 नेत्र रोगियों का आपरेशन मोतियाबिन्द, लेन्स प्रत्यारोपण मिश्रीमल वाफना परमार्थ अस्पताल जोधपुर में नेत्र विशेषज्ञ डा. प्रेक्षा जैन द्वारा किया। यह शिविर महावीर प्रसाद अजमेरा, जैन गजट संवाददाता जोधपुर व अस्पताल के व्यवस्थापक के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

महावीर प्रसाद अजमेरा, संवाददाता

भक्तजनों प्रथमाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

उत्साहपूर्वक मनाया जन्म कल्याणक

जैन गज़ट

दमोह (नि.सं.)। कुंडलपुर में विराजमान बड़े बाबा आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव बहुत उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रातःकाल प्रभात फेरी के पश्चात बड़े बाबा का मस्तकाभिषेक किया गया। आदिनाथ जयंती पर बड़े बाबा का प्रथमाभिषेक करने का सौभाग्य जयपुर के भक्तजनों को प्राप्त हुआ उन्होंने शांतिधारा करने का भी सौभाग्य प्राप्त किया। इस मौके पर आर्यिका उपशांतमति माताजी, आर्यिका श्री गुड़मति माताजी, आर्यिकाश्री अकंपमति माताजी एवं आर्यिका श्री आदर्शमति माताजी का संघ सहित मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ।

शांति मंडल विधान का हुआ आयोजन

जैन गज़ट/रविन्द्र काला, संवाददाता, बूंदी

बूंदी। राजकुमार, नीरज कुमार राहुल कासलीवाल परिवार द्वारा गुरुवार सुबह विश्व में शांति व अहिंसा के लिए चौगान जैन मंदिर में शांति विधान मंडल का संगीतमय आयोजन किया गया। सर्वप्रथम परिवार द्वारा भगवान की शांतिधारा की गई। पंडित सुरेष सोनी व महुवा के सत्येन्द्र एण्ड पार्टी ने संगीतमय विधान संपन्न कराया। इस अवसर पर भगवान के 150 अर्घ्य चढ़ाये गए। अर्घ्य नीरज कासलीवाल व उनकी पत्नि निपिका जैन, बिरधीचंद-प्रेमबाई छाबड़ा, पदम-अनिता सेठिया, सुनील-सीमा जैन, राजेष-मंजू पाटनी, मनीष-एकता कासलीवाल, कैलाष-मंजू शाह ने चढ़ाये।

विधान में बैठने वालों में शकुंतला बडजात्या, रेखा काला, शकुंतला काला, निर्मला पाटनी, सुलोचना जैन, सुनीता जैन, उषा काला, पुष्पा जैन, चम्पादेवी जैन मुम्बई प्रमुख थी। इस अवसर पर सकल जैन समाज के अध्यक्ष ओम प्रकाष बडजात्या, खण्डेलवाल समाज संस्थान के अध्यक्ष रविन्द्र काला, उपाध्यक्ष प्रद्युम्न पाटनी, सुरेन्द्र छाबड़ा सहित कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

साप्ताहिक
जैन गज़ट
भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2
सोमवार, 18 अप्रैल 2022
7607921391
jaingazette2@gmail.com

अधिक संपत्ति विपत्ति बन जाती है।

भ. आदिनाथ की जन्म जयंती जोर-शोर से मनाई गई

जयपुर (निं. सं.)। शहर के गायत्री नगर महारानी फार्म में भगवान आदिनाथ की जयंती 26 मार्च, 2022 को हर वर्ष की भांति इस बार भी श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फॉर्म में भव्य समारोह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फॉर्म प्रबंध समिति एवं समाज के सभी साधर्मी बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रातः नित्य अभिषेक एवं शांति धारा उसके पश्चात फेरी का शुभारंभ मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद जी छाबड़ा ने दीप प्रज्जवलित कर किया, प्रभात फेरी बैंड बाजे से निकाली गई। मार्ग में जगह-जगह श्री जी की आरती की गई एवं सभी जैन परिवारों के घरों के बाहर रंगोली सजाई गई।

प्रभात फेरी के पश्चात सभी लोग जिन मंदिर जी पहुंचे और श्री जी का अभिषेक किया एवं सभी को अल्पाहार करवाया गया। सायंकाल सामूहिक रूप से महाआरती एवं 48 दीप प्रज्जवलित कर रिद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय भक्तामर स्त्रोत अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमान कैलाश चंद जी छाबड़ा अध्यक्ष, अरूण जी शाह उपाध्यक्ष, राजेश जी बोहरा मंत्री, समस्त प्रबंध समिति सदस्य एवं समाज के सभी गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

दि. जैन सोशल ग्रुप पिंकपर्ल का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर (नि. सं.)। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप पिंकपर्ल जयपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह जी गोपाला सिद्धार्थ नगर में ब्रज के कलाकारों द्वारा होली मिलन समारोह सानंद संपन्न हुआ। समारोह में दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के संस्थापक अध्यक्ष अनिल जैन, अध्यक्ष यशकमल अजमेरा, महासचिव राजेश बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष अतुल बिलाला, कोषाध्यक्ष पारस जैन एवं परामर्शक महेन्द्र पाटनी, सुरेन्द्र पाण्ड्या एवं नवीन जैन की गरिमामय उपस्थिति रही एवं समारोह के दीप प्रज्जवलकर्ता धीरेन्द्र प्रताप सिंह तंवर, शिखर जैन, नरेश कुमार अग्रवाल रहे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश जैन चौधरी, सचिव संजय जैन, कोषाध्यक्ष अरविन्द बिलाला, उपाध्यक्ष राहुल सिंघल, सहसचिव मनीष पाटनी एवं कार्यकारिणी सदस्यों में नमोकार जैन, सुरेन्द्र सोगानी, विमल सोगानी, मुकेश पाटनी, राहुल बाकलीवाल, प्रकाश लुहाड़िया, अमित गोधा, नितेश काला, राजकुमार सोगानी व अनिल जैन ने अपने पदों की शपथ ली।

संचालक मण्डल का हुआ गठन

जयपुर (नि. सं.)। श्री दिगम्बर जैन समाज समिति, टोंक रोड संभाग (19 जैन मंदिर) जनकपुरी-ज्योति नगर, महेश नगर, बरकत नगर, मधुवन, कीर्ति नगर, अर्जुन नगर, 10-बी, मंगल विहार, त्रिवेणी नगर, शांति नगर, महारानी फार्म, महावीर नगर, दुर्गापुरा, तारों की कूट, रॉयल एवेन्यू, सिद्धार्थनगर, सीताबाड़ी, जय जवान, न्यू लाइट के कार्यकारिणी सदस्य अध्यक्ष व मंत्रियों की मीटिंग दिनांक 08 अप्रैल 2022 को सायंकाल 8 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कीर्ति नगर में आयोजित की गयी। समिति की कार्यकारिणी के सदस्यों ने जनकपुरी ज्योति नगर मन्दिर के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला को समिति के संचालक मण्डल का मुख्य संयोजक निर्विरोध निर्वाचित किया तथा कीर्ति नगर मन्दिर के मंत्री जगदीश जैन को मुख्य कार्य प्रभारी नियुक्त किया गया। मुख्य संयोजक ने कैलाश छाबड़ा को उप मुख्य संयोजक, अनिल छाबड़ा को उप मुख्य प्रभारी सुनील बज को मुख्य कोष प्रभारी राजेन्द्र काला को प्रचार-प्रसार व दिनेश धाडुका को संगठन प्रभारी नियुक्त किया। पदम बिलाला ने आश्वासन दिया की पूरी पारदर्शिता व सभी की सहभागिता के साथ समिति समाज उत्थान का कार्य करेगी। जगदीश जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा कुशल संचालन अनिल छाबड़ा ने किया।

शहर में जैन समाज के महावीर जयंती समारोह के शुभारंभ पर

24 स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों में जुटा 1041 यूनिट ब्लड

जयपुर, (निसं.)10 अप्रैल। राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में भगवान महावीर के 2621वां जन्म कल्याणक महोत्सव का शुभारंभ शहर के अलग-अलग 24 स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों व भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान से हुआ। इस दौरान इन शिविरों में करीब 1041 यूनिट ब्लड जुटा। राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने बताया कि सभी स्थानों पर इस शिविरों का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके बाद महोत्सव के तहत 'रक्तदान कर करें उपकार, महावीर संदेश को करें साकार' के लक्ष्य को लेकर रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर में 24 स्थानों पर एक साथ शिविर लगाएं गए। इन शिविरों में लोगों ने उत्साह दिखाते हुए बढ़-चढ़कर 1041 यूनिट रक्तदान किया।

इस मौके पर रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह पुण्यार्जक परिवार स्व. भंवरलाल जी-गोपीबाई छाबड़ा की स्मृति में कमलचंद-तारादेवी छाबड़ा, मनीष-निशा छाबड़ा, सपन-रजनी छाबड़ा व रवि-रितु छाबड़ा की ओर से उपहार देकर सभी को सम्मानित किया गया। राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि इस मौके पर जयपुर शहर के सांसद रामचरण बोहरा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर के महापौर पुनीत कर्णावट, पार्षद कुसुम यादव, राजस्थान जैन सभा के पूर्व अध्यक्ष कमल बाबू जैन, मुख्य समन्वयक दर्शन जैन बाकलीवाल, मुख्य प्रभारी राकेश गोदिका, समन्वयक शैलेन्द्र शाह, यशकमल अजमेरा व आर के जैन रेलवे, राकेश छाबड़ा, उपाध्यक्ष मुकेश सोगानी, मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' सहित राजस्थान जैन सभा के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इसी दिन शाम को गोपाल जी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी कालाडेरा में भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान की भव्य प्रस्तुति श्री विद्यासागर यात्रा संघ, जयपुर ने दी।

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक

भगवान महावीर स्वामी

की 2621वीं जन्म जयंती महोत्सव पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

परस्परोपग्रहोजीवानाम्

:: शुभकामनाओं सहित ::

विनोद कुमार पाटनी	दिलीप कासलीवाल	सुभाष बड़जात्या	दिनेश पाटनी	चेतनप्रकाश पाण्ड्या
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	उपमंत्री	कोषाध्यक्ष

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत, मदनगंज-किशनगढ़

प्रकाशचंद गंगवाल	महावीरप्रसाद गंगवाल	कैलाशचंद पहाड़िया	सुशील अजमेरा	सम्पत कुमार दगड़ा
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन पंचायत, मदनगंज-किशनगढ़

महावीर जयंती महोत्सव संयोजक - कैलाश पाटनी

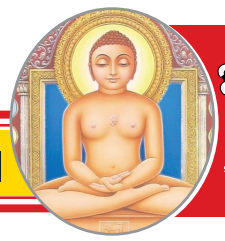

भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2

साप्ताहिक
जैन गज़ट

सुख आत्मा की पर्याय है किसी धन संपत्ति की नही।

गोपाल दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय मुरैना का त्रिदिवसीय स्वर्णिम शताब्दी महोत्सव उत्साहपूर्वक हुआ संपन्न

बरैया जी के स्टेच्यू का हुआ लोकार्पण

मुरैना (निसं.)। श्री गोपाल दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय मुरैना की स्थापना के 120 वर्ष पूर्ण होने पर संस्थापक गुरूणांगुरू पंडित गोपाल दास जी बरैया की जन्म जयंती के अवसर पर 01 अप्रैल से 03 अप्रैल, 2022 तक त्रिदिवसीय स्वर्णिम शताब्दी महोत्सव परम पूज्य आचार्यश्री विनम्र सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में महाविद्यालय परिसर मुरैना में अत्याधिक सफलता के साथ आयोजित किया गया। इस त्रिदिवसीय आयोजन में देश के मूर्धन्य विद्वानों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। आयोजन में विद्वानों ने अपने वक्तव्य में महाविद्यालय के उन्नयन, संरक्षण, संवर्द्धन के लिए अपने अनेक सुझाव प्रदान किए। मूर्धन्य विद्वानों एवं पूर्व स्नातकों का समागम - इस मौके पर प्रोफेसर सुदर्शन लाल जी जैन भोपाल, प्राचार्य अरूण जी जैन सांगानेर, डॉ. जयकुमार जी मुजफ्फरनगर, प्रोफेसर अशोक जी जैन वाराणसी, ब्र. जयकुमार जी निशान्त टीकमगढ़, डॉ. नरेन्द्र जी जैन गाजियाबाद (टीकमगढ़), ब्र. अनीता दीदी जी ज्ञानतीर्थ मुरैना, डॉ. सुरेन्द्र जी भारती बुरहानपुर, डॉ. कमलेश जी जयपुर, डॉ. हरिश्चंद जी जैन प्राचार्य मुरैना, पूर्व प्राचार्य महेन्द्र जी शास्त्री मुरैना, पंडित पवन दीवान मुरैना, डॉ. मनोरमा जी जैन भोपाल, पंडित मुकेश विनम्र गुड़गांव, पंडित रमेश शास्त्री जोबनेर, दीपचंद्र शास्त्री मुम्बई, प्रकाश शास्त्री भोपाल, पंडित शशिकांत शास्त्री ग्वालियर, संदीप शास्त्री दिल्ली, पंडित शुभम शास्त्री मुरैना, डॉ. महावीर फौजदार द्रोणगिर, पंडित उदय मस्ताई घुवारा, पंकज जैन भोपाल, प्रवीण शास्त्री मड़ावरा, सतेन्द्र शास्त्री टीकमगढ़, पंडित नवनीत शास्त्री मुरैना, पंडित संजय शास्त्री मुरैना, पंडित महेन्द्र शास्त्री, पंडित पुष्पराज जैन, पंडित सत्येन्द्र जैन, नरेन्द्र शास्त्री ललितपुर, पंडित अंकित जैन, पंडित सुखानंद जैन आदि विद्वान व विद्यालय के पूर्व स्नातक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी विद्वानों एवं पूर्व स्नातकों ने अपने वक्तव्य में महाविद्यालय के योगदान को स्मरण किया तथा अनेक सुझाव भी दिए साथ ही पंडित गोपाल दास जी बरैया के व्यक्तित्व-कृतित्व तथा उनसे जुड़े प्रेरक प्रसंगों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बरैया जी एवं महाविद्यालय के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। अनेक गणमान्य रहे मौजूद - आयोजन के मुख्य अतिथि श्री पवन जैन (आई पी एस), मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक होमगार्ड भोपाल तथा विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन कमिश्नर नगर निगम मुरैना, श्रीमती वंदना जैन डिप्टी कलेक्टर मुरैना, श्री जगदीश प्रसाद जैन आगरा, श्री रविन्द्र जैन (जमुसर) भोपाल, श्री सुनील जी सूरत, श्री कमलेश जैन सीए दिल्ली, श्री महेश बंगाली जी पंचायत अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र जी एडवोकेट मंत्री श्री सुनील जैन आदि प्रमुख रूप से मंचासीन रहे। पंडित पवन दीवान बरैया पुरस्कार से सम्मानित - इस मौके पर महाविद्यालय के पूर्व वरिष्ठ स्नातक प्रतिष्ठाचार्य पवन दीवान मुरैना को उनके उल्लेखनीय अवदान के लिए ग्यारह हजार पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शाल, पगड़ी, श्रीफल आदि के साथ सपत्नीक सम्मानित किया गया। साथ ही महाविद्यालय के पूर्व स्नातक संदीप जैन शास्त्री दिल्ली को सन् 2022 का प्रतिभा पुरस्कार उनके द्वारा विद्यालय को प्रदत्त आर्थिक विशेष सहयोग के लिए विद्यालय परिवार द्वारा प्रदान किया गया। स्मारिका भव्य विमोचन - आयोजन में महाविद्यालय की स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि श्री पवन जैन (आई पी एस), पुलिस महानिदेशक होमगार्ड भोपाल तथा विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन कमिश्नर नगर निगम मुरैना, श्रीमती वंदना जैन एसडीएम मुरैना, श्री रविन्द्र जैन (जमुसर) भोपाल, श्री सुनील जैन आदि अतिथियों एवं स्मारिका समिति के संरक्षक पूर्व प्राचार्य महेन्द्र जैन, प्रधान संपादक डॉ. हरिश्चंद्र जैन प्राचार्य मुरैना, संपादक पंडित पवन दीवान मुरैना, संपादक मंडल के सदस्य डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती बुरहानपुर, डॉ. पंकज जैन इंदौर (प्रबंध संपादक), डॉ. सुनील संचय ललितपुर, अभिषेक जैन टीटू भैया, मुकेश शास्त्री गुड़गांव, शुभम शास्त्री मुरैना आदि ने सम्पन्न किया। बरैया जी के स्टेच्यू का लोकार्पण - महाविद्यालय के संस्थापक गोपाल दास जी बरैया का विद्यालय के सरस्वती भवन में स्थापित स्टेच्यू का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया। बहुमूल्य योगदान - परम पूज्य आचार्यश्री विनम्र सागर जी महाराज ने कहा कि संस्कारयुक्त विद्या ऐसे विद्यालयों में प्रदान की जाती है। संस्कारित अध्ययन स्थायी होता है। ज्ञान के बिना सुख नहीं मिलता। इस विद्यालय का विद्वत जगत एवं श्रमण जगत में बहुमूल्य योगदान है। इस अवसर पर विद्यालय के स्नातक रहे मुनि श्री विज्ञसागर जी महाराज ने विद्यालय के संस्मरण साझा किए और विद्यालय के योगदान को रेखांकित किया। स्वास्थ्य और शिक्षा के भी बड़े-बड़े मंदिर बनें - समारोह में मुख्य अतिथि श्री पवन जैन मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक होमगार्ड भोपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि विद्या ऐसी दो जो मुक्ति दे, लेकिन आज ऐसा प्रतीत हो रहा है कि विद्या ऐसी हो जो नौकरी दे। उन्होंने कहा कि जैन समाज में बड़े-बड़े मंदिर बन रहे हैं। हमें स्वास्थ्य और शिक्षा के भी बड़े-बड़े मंदिर बनवाना होंगे। धर्म को खतरा बाहर से नहीं अपनों से है। उन्होंने एक आग बुझाने वाली चिड़िया का उदाहरण देते हुए कहा कि आग लगाने वाले नहीं आग बुझाने वाले बनें।

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

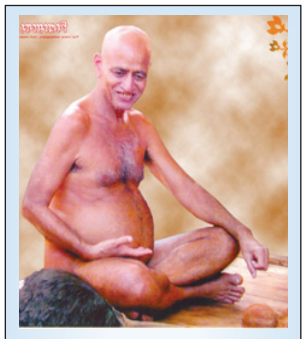

एक बार रास्ते में विहार करते हुए आ रहे थे। एक गांव से गुजरना हुआ वहां दुकान पर एक भजन चल रहा था। 'दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समायी, तूने काहे को दुनिया बनायी', इस पंक्ति को सुनकर आचार्यश्री के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गयी तो साथ में चलने वाले सभी हंसने लगे। आचार्य महाराज ने कहा - ऐसा कहना ठीक नहीं बल्कि ऐसा कहो 'दुनिया बसाने वाले क्या तेरे मन में समायी, तूने काहे को दुनिया बसायी संसार में तुम ही फंसे हो, गृहस्थी तुमने ही बसायी है, खुद को दोषी कहो, भगवान को दोषी मत कहो।

भगवान महावीर के जन्मोत्सव पर निकली प्रभात फेरी

जैन गज़ट/सुनील कुमार सेठी संवाददाता

गुवाहाटी। इंद्र देव की कृपा व रिमझिम बरसात में बुधवार 13 अप्रैल को हर वर्ष की भांति इस साल भी 'भगवान महावीर जन्मोत्सव' के उपलक्ष्य में एक दिन पूर्व को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन पुखराज पाण्ड्या के संयोजक में फैंसी बाजार स्थित श्री दिगम्बर जैन (बड़ा) मंदिर से प्रातः 6 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए एटी रोड स्थित महावीर भवन पहुंची, जहां अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज (गुवाहाटी) सहित आठगांव, रिहाबाड़ी, केदार रोड, पांडु व दिसपुर आदि चैत्यालय के कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल), मंत्री वीरेन्द्र कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी, निरंजन गंगवाल, ताराचंद ठोल्या, सुरेश कु. बाकलीवाल, मनोज विनाक्या, सुभाष बड़जात्या, संजय रारा, संजय गंगवाल आदि के अलावा समाज के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम में श्री दि. जैन यूथ फेडरेशन व श्री दिगम्बर जैन महिला समिति का भी विशेष सहयोग रहा।

राजस्थान दिवस समारोह

महासभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कैलाश रारा जी को सामाजिक सद्भावना सम्मान

रायपुर। स्थानीय सिविल लाईन स्थित वृंदावन हॉल में राजस्थान दिवस समारोह पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। उक्त समारोह में राजस्थानी समाज की लगभग 30-32 जातियों के अध्यक्ष मंत्रियों आदि की उपस्थिति में जनसुविधार्थ एक भव्य वातानुकूलित ऑडिटोरियम एवं राजस्थान साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की स्थापना का संकल्प व्यक्त किया गया।

समारोह में सीताराम अग्रवाल को सेवा श्री सम्मान, योगेश अग्रवाल को युवा प्रतिभा, विजय कांकरिया को ट्रेड एक्सीलेंस अवार्ड, कैलाश रारा को सामाजिक सद्भावना सम्मान, लक्ष्मीनारायण लाहोटी को तिरंगा वंदन सम्मान, उर्मिला उर्मी को साहित्य श्री, उषा गंगवाल को आदर्श नारी गौरव, तेजकरण जैन को गौ श्री सम्मान, संजय गंगवाल को आंत्रप्रन्योर ऑफ द ईयर, विजय दम्मानी को समाज उत्थान सम्मान, अरविंद बड़जात्या को समाज उत्कर्ष सम्मान, अंशुमन शर्मा को खेल प्रतिभा एवं कुमारी वशिष्ठता शर्मा को शारीरिक कौशल प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

अरिहंत जैन, रायपुर

साप्ताहिक
जैन गज़ट
भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2
सोमवार, 18 अप्रैल 2022
7607921391
jaingazette2@gmail.com
11

कर्म को दोष मत दो वो आपके पूर्व दोषों का फल है।

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य
वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला
तेरस दिनांक 14 अप्रैल, 2022 को 2621वीं जन्म जयंती पर

महेन्द्र - अनिला लाम्बाबांस (अध्यक्ष दि. जैन मंदिर समिति)

महावीर नगर विस्तार योजना कोटा
आशीष-प्रियंका, अखिल-मेघा, नवांश, अतिक्षा एवं समस्त लाम्बाबांस परिवार
मण्डाना वाले, कोटा (राज.)
आवासः 1-बी-46, महावीर नगर विस्तार योजना, कोटा (राज.)
मो. 9414181318, 9829670266

भ. महावीर स्वामी 2621वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

उत्तम-निर्मला बड़जात्या, उत्सव-अंकिता,
उमंग-प्रीति बड़जात्या नित्या, प्रथम, शुद्धि बड़जात्या

महावीर जयंति के महान पर्व पर आप सभी प्रदेश
में रहने वाले देश वासियों को हमारी ओर से
बधाई एवं मगलमय शुभ कामना

Reg. No.: Indian Motion Picture Producers Association-14359

रंगशाला

रंगशाला संगीत, नृत्य, नाट्य अकादमी
रंगशाला इवेन्ट मेनेजमेन्ट कम्पनी
रंगशाला फिल्म प्रोडक्शन हाऊस

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा, वेदी प्रतिष्ठा, रथयात्रा, विधान आदि धार्मिक
आयोजन में जैन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जैन आर्केष्ट्रा (भजन संध्या)
महानाट्य, नृत्य संध्या आदि के लिये संपर्क करें

डाक्युमेन्ट्री फिल्म, फीचर फिल्म निर्माण

Producer & Director
SADHNA MADAWAT

Address.: 27/2, North Raj mohalla, INDORE (M.P.)
Mob.: +91 9424 090 608 Email : rangshalaacademy@yahoo.in
+91 8962 830 838 FaceBook Page : rangshaala Productions

असोसिएट प्रॉडयूसर वीर गोम्मटेश

मो. 09424090608, 08962830838

निर्मल कुमार बाकलीवाल कोपरगांव वाले का देवलोक गमन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा महाराष्ट्र प्रांत के महामंत्री श्री महावीर ठेले के साले साहब श्री निर्मल कुमार भीकमचंद जी बाकलीवाल कोपरगांव वाले का देवलोक गमन हुआ। आप 82 वर्ष के थे। आप कल्याण में एक कम्पनी में इलेक्ट्रिक सुपरवाइजर के पद पर सेवारत थे, वहां से निवृत होने के पश्चात् औरंगाबाद के उत्तमचंद ठेले छात्रावास में व्यवस्थापक के पद पर रहकर अपनी सेवाओं के माध्यम से छात्रों पर धार्मिक संस्कार डाले, आप अपने नाम के जैसे निर्मल स्वभाव, निर्मल व्यक्तित्व, निर्मल आचरण, निर्मल व्यवहार के धनी थे, आपको कोई संतान नहीं होने के बावजूद आपने सभी परिवार को एक सूत्र में जोड़कर रखा था। आप अनुशासन प्रिय थे। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कलाबाई बड़ी धर्मनिष्ठ एवं मुनिभक्त हैं, आपने अनेक तीर्थक्षेत्रों की वंदना की। आप कुछ दिनों से अस्वस्थ थे, ऐसे समय में श्रीमती कलाबाई के बहन का दोहता योगेश कुमार एवं उसकी धर्मपत्नी सौ. रूचीता पाटनी डोम्बिवली ने आपकी पुत्रवत् अथक सेवा की। आपकी पुण्य स्मृति में श्रीमती कलाबाई बाकलीवाल की ओर से अनेक तीर्थक्षेत्र एवं मंदिरों को दान राशि प्रदान की है। जैन गजट को भी सहायता राशि प्रदान की गई।

महावीर ठेले, औरंगाबाद

श्रीमती बसन्ती देवी बड़जात्या का स्वर्गवास

अजमेर। महासभा के केन्द्रीय संरक्षक शांतिलाल जी बड़जात्या की पत्नी श्रीमती बसन्ती देवी बड़जात्या का स्वर्गवास दिनांक 05.04.2022 को हो गया। श्रीमती बसन्ती देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गयी है। तीन पुत्र पवन, अनिल, अजित और तीन पुत्रियां पुष्पा, अविता, प्रियदर्शनी कासलीवाल तीन पुत्रियां है। सभी धार्मिक प्रवृत्ति की है। कोलकाता समाज में अनिल बड़जात्या का नाम धार्मिक क्षेत्र में ऊंचाईयों को छू रहा है। बसन्ती देवी ने सभी तीर्थक्षेत्र, अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र की यात्रा कर अपने जीवन को सफल किया।

शेखरचन्द्र पाटनी संवाददाता

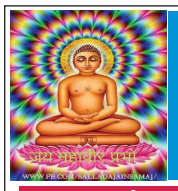

॥ श्री महावीराय नमः॥
हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है॥
भगवान महावीर स्वामी की जयन्ति पर
हार्दिक कोटिशः बधाईयां

:: शुभाकांक्षी ::

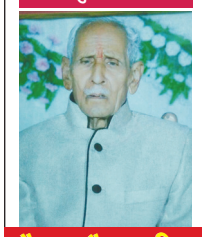

चौथमल जैन बागड़िया

Jain

Book CompanyJain Bhawan, Vikram
Chowk, Ladpura, Kota- 6 (Raj.)
Mob. 9414242300, 8302991872
Ashok Book depot
Ek Batti
Teen Rasta Rampura Bazar,
Kota-324006 (Raj.)
Ph. 2380858

"Wholesalers "All Kind of Books Nursery "School College &
"Competition, Books are sold "General Supplier

भ. महावीर स्वामी 2621वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

:: शुभेच्छु ::

इंजी. श्री पी. सी. जैन

श्रीमती अभिलाषा जैन

(इंजी.) प्रियक जैन-
(इंजी.) चीना जैन चि. पराग जैन
निवास : 6A12, तीन बत्ती,
मेन रोड, बसन्त बिहार, कोटा
0744-2400400
09462733133

अध्यक्ष- श्री 1008 शान्तिनाथ दि. जैन मन्दिर समिति, बसन्त बिहार, कोटा (राज.)

भगवान महावीर का दिव्य संदेश

'जीओ और जीने दो'
सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य
वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की
चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 14 अप्रैल 2022 को जन्म कल्याणक
के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभाकांक्षी : ललित-कल्पना, पारस-मृदुला, अतुल-अंजलि, निधी, आकांक्षा, अनिशा, सम्यक,
ऋषि एवं समस्त लूंया परिवार महावीर नगर वि.यो. कोटा (राज.) मो. 9414186959, 9001896125

देवाधिदेव श्री 1008 भगवान महावीर कल्याणक महोत्सव पर सभी कोटावासियों को शुभकामनाएं

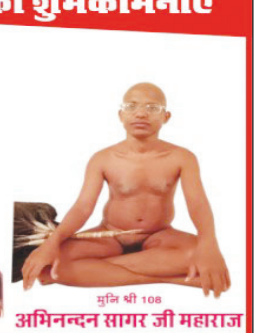

भव्य शोभायात्रा

दिनांक 14 अप्रैल, गुरुवार प्रातः 7 बजे

जयपुर गोल्डन से प्रारम्भ होकर आर्य समाज रोड़, रामपुरा बाजार,
लिंक रोड़, अग्रसेन बाजार, सब्जीमण्डी, गांधी जी का पुल,
कैथूनीपोल, टिपटा, किशोरपुरा दरवाजे से होकर दशहरा मैदान पहुंचेगी

परम संरक्षक : अजय बाकलीवाल, पारसमल जैन सीए

अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
विमल जैन नांता वाले	विनोद जैन (टोरड़ी)	प्रकाश ठौरा

कार्याध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	कार्याध्यक्ष
जे.के. जैन (बरखा)	प्रकाश बज	गुलाब चन्द जैन (चूना वाले)	विमल जैन (वर्धमान)

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

निवेदक : श्री सकल दिगम्बर जैन समाज समिति, कोटा (राज.)

भगवान महावीर
जन्म कल्याणक विशेषांक 2

साप्ताहिक
जैन गज़ट

स्वार्थ भोगों के लिए हो तो निंदा और आत्मा के लिए हो तो प्रशंसा मिलती है।

मुनि प्रमाण सागर जी महाराज की 35वीं दीक्षा जयंती मनाई गई

डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने किया महोत्सव का उद्घाटन, लिया आशीर्वाद

पटना। मुनिश्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज का 35वां दीक्षा दिवस महोत्सव कंगन घाट स्थित बने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा मुख्य पूजा पंडाल में भक्तों ने श्रद्धापूर्वक मनाया। साथ ही श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ बिहार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने दीपप्रज्जवलन व चित्र अनावरण से किया। उसके बाद समिति के पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री का तिलक, मुकुट, माला पहनाकर सम्मानित किया। इस क्रम में अपनी-अपनी वाणी को अनेक वक्ताओं ने गुरू चरणों में समर्पित किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर का जीवन हमें सत्य, करूणा व त्याग के महत्व के बताता है। उन्होंने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया था। उनकी शिक्षाएं हमें मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करती हैं। भगवान महावीर का संदेश आज भी प्रासंगिक है। वहीं जैन समाज को आश्वासन देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे बिहार में खुले आम मांस, मछली विक्रय पर प्रतिबंध लगाया जायेगा। साथ ही महावीर जयंती पर राजकीय अवकाश को लेकर मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष बात रखेंगे।

लाड़नूं की इन्द्रमणी गंगवाल दीक्षा उपरान्त

आर्यिका उत्कृष्ट मती माताजी बनीं

श्री सम्मेद शिखरजी, 2 अप्रैल 22 (निसं.)। दिगम्बर जैन समाज, लाडनूं की त्यागी व्रती, धर्म परायण श्राविका इंद्रमणि गंगवाल ने तीर्थराज सम्मेदशिखर में महातपस्वी मुनि श्री पुण्यसागर महाराज से जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर मोक्ष मार्ग ग्रहण किया। दीक्षा उपरांत इंद्रमणि गंगवाल आर्यिका उत्कृष्टमति माता बनीं। ज्ञातव्य है कि आर्यिका उत्कृष्टमति माताजी के साथ तीन और आर्यिका दीक्षा संपन्न हुई। सभी दीक्षार्थियों ने सांसारिक मोह माया, सुख-सुविधाओं को त्याग कर, आत्म कल्याण के लिए अहिंसा आदि महाव्रतों को अंगीकार किया तथा अपने जीवन का सार समझते हुए समता भाव पूर्वक अपरिग्रहमयी जीवन को स्वीकारा। यह दीक्षा संस्कार समारोह मुनिश्री पीयूषसागर जी महाराज सहित दो दशक मुनि, आर्यिका एवं सैकड़ुड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में संपन्न हुए। बताया जाता है कि इंद्रमणि गंगवाल का पूरा जीवन व्रत, उपवास व त्याग को समर्पित रहा। दीक्षा संस्कार के साक्षी बने - इस समारोह में दिगम्बर जैन समाज, लाडनूं के अध्यक्ष एवं मयंक ग्रुप, कोलकाता के चेयरमैन सुभाषचंद बड़जात्या, पवन गंगवाल, महेंद्र पाटनी, सुरेश सेठी, पुखराज बड़जात्या, राजेंद्र पाण्ड्या (लाबू जी) अनिल बड़जात्या, राजेश जैन, वीरेंद्र पाण्ड्या, संजू महेंद्र जैन, संजय पाटनी, श्रवण कासलीवाल, नागर गंगवाल, संतोष सेठी, श्रीमद् कुमार सेठी, पंकज बड़जात्या, सुशील बड़जात्या, राजेश पहाड़िया, लाडनूं से अशोक सेठी, धर्मचंद गोधा, महेंद्र गंगवाल, शंभू जैनाग्रवाल, राजकुमार जैनाग्रवाल, भागचंद जैन, सुजानगढ़, पारिवारिक सदस्य एवं पुत्र-पुत्रवधु अर्जुन, शर्बती गंगवाल, संतोष, समता गंगवाल, राजश्री गंगवाल आदि लोगों ने उपस्थित होकर त्याग तपस्या की अनुमोदना की तथा दीक्षा संस्कार के साक्षी बने। पूज्य आर्यिका माता के माता-पिता बनने का सौभाग्य (पुत्र-पुत्र वधु) संतोष गंगवाल, समता गंगवाल, लाडनूं ने प्राप्त किया। आर्यिका माता को पिच्छी भेंट करने का सौभाग्य पवन गंगवाल, जयपुर, कमंडल भेंट करने का सुअवसर के. पी. अशोक पाटनी, सीए महेंद्र पाटनी, कोलकाता को प्राप्त हुआ। राजेश, वर्षा पहाड़िया ने आर्यिका माता को वस्त्र भेंट किए तथा शास्त्र भेंट करने का पुण्यार्जन सुरेश सेठी कोलकाता, हनुमान प्रसाद काला को प्राप्त हुआ। प्रिया, रिंकू गुवाहाटी, राजमती, पदम पाटनी जयपुर, नीलम, रिची दिल्ली ने चौक पूरे करने का संस्कार किया। दीक्षा समारोह का संयोजन ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी ने किया।

जो मन को मार लेता है वही महावीर होता है

कोटा, 14 अप्रैल। जैन इंजीनियर्स सोसाइटी एवं जीता कोटा चेप्टर के संयुक्त तत्वावधान में जैन मंदिर तलवंडी में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में कविताओं का रंग खूब जमा। डॉ. आदित्य जैन के कुशल संचालन में देर रात तक कवियों ने श्रोताओं को बांधे रखा। डॉ. आदित्य जैन ने अपने गीत 'तू मत कर रे अपमान, ये है धरती के भगवान' तथा 'जो मन को मार लेता है वही महावीर होता है' जैसे गीतों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। जयपुर से आये श्री केशरदेव मारवाड़ी, राजसमन्द के श्री सम्पत सुरीला एवं झालावाड़ के श्री अनिल उपहार ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया एवं श्रेष्ठतम रचनाएं सुनाकर समा बांध दिया। जीतो एवं जेस के पदाधिकारियों द्वारा डॉ. आदित्य जैन का सम्मान किया गया। संयोजक श्री पंकज सेठी ने आभार व्यक्त किया।

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Ph. 0522-2662589, 2661021 Mob. 7880978415, 9415108233, 8081191814, 7505102419 **Web site-** jaingajat.com
email- jaingazette2@gmail.com **whatsapp** 7607921391

To,

.....

.....

.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

Printed by SUDHESH KUMAR JAIN and **published by SUDHESH KUMAR JAIN** on behalf of **SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA** and printed at **JAIN OFFSET PRINTERS 252/67, RAKABGANJ KADEEM, NEHRU CROSS, LUCKNOW - 226004 Uttar pradesh** and published at Nandiswar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, **Lucknow-226004 Uttar pradesh Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI**

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।